उनकी आवाज बनें, जो आवाज नहीं उठा पाते

रितु छाबड़िया ने वर्ष 1999 में मुकुल माधव फाउंडेशन की नींव रखी और उसके बाद से शिक्षा, स्वास्थ्य एवं सामाजिक कल्याण के क्षेत्र में लाखों गरीब लोगों की मदद की है। रितु छाबड़िया ने मुकुल माधव फाउंडेशन के माध्यम से केईएम, रुबी हॉल, प्रशांति केयर मिशन जैसे अस्पतालों के साथ सतत् संबंध बनाये हैं और विभिन्न अनुदान अभियानों, जनकल्याण सर्जरी, शिक्षा तथा स्वास्थ्य अभियानों द्वारा इन संस्थानों को सहयोग किया है।

संघर्ष सफलता का हिस्सा है

मुझे भी कई संघर्षों से गुजरना पड़ा क्योंकि मुकुल माधव फाउंडेशन एक निजी संस्थान है, इसलिए अथॉरिटीज एवं लोग इसकी मदद नहीं करते थे और कभी-कभी उनके मन में संदेह भी पैदा होता था। मेरी टीम से एक प्रश्न अक्सर पूछा जाता है- 'आपको इससे क्या फायदा होगा?' पहले लोगों को इस कार्य एवं प्रभाव को समझने में बहुत समय लगता था। पर अब ऐसा नहीं है क्योंकि अब लोग इस फाउंडेशन के कार्य को समझने लगे हैं।

चुनौतियां जिंदगी का हिस्सा हैं

परियोजनाओं में हर चरण में चुनौतियां आती हैं। चाहे किसी लक्ष्य के लिए पूंजी इकट्ठा करनी हो, समाज का विश्वास हासिल करना हो, किसी प्रोजेस्ट से जुड़े सामाजिक कलंक को दूर करना हो या अनुमति या स्वीकृति पानी हो। जब हमने पार्कर हॉस्पिटल, रत्नागिरी में अपनी पहली मैमोग्राफी मशीन लगाई, उस समय महिलाओं को अस्पताल आने और स्कैनिंग करवाने के लिए काफी समझाना पड़ा। मेरा मानना है कि चुनौतियां जिंदगी का हिस्सा होती हैं। यदि आपको लगता है कि आपका लक्ष्य लड़ने योग्य है, तो चुनौतियों से लड़ने और जीतने की जरूरत है।

सफलता के लिए कुछ भी असंभव नहीं

मुझे लगता है कि सफलता के लिए यह सोच बनानी होगी कि कुछ भी असंभव नहीं है। आपको प्रोत्साहित होकर आगे बढ़ने की जरूरत है। उन लोगों की आवाज बनें, जो आवाज नहीं उठा पाते। जो सही है, उसके लिए संघर्ष करें। हमेशा जरूरतमंद लोगों की खुले दिल से सहायता करें।

रितु छाबड़िया
(मुकुल माधव फाउंडेशन की डायरेक्टर, फाउंडर मनेजिंग ट्रस्टी)

उपलब्धि है मुकुल माधव फाउंडेशन

मुकुल माधव फाउंडेशन की शुरूआत मेरी सबसे बड़ी उपलब्धि हैं। मुझे अपने काम में असीमित आनंद मिलता है। मेरा परिवार मेरे लिए ताकत एवं प्रेरणा दोनों का स्रोत है। इन क्षेत्रों में कार्य करने और दोस्तों से की गई अपील का संयोजन हमेशा से मेरे लिए प्रेरणास्रोत रहे हैं जिन्हें सहयोग, सपोर्ट एवं अवसर की जरूरत है।